



HARSH MITTAL

13 Oct 2001

02:10 AM

Baghpat

Model: web-freelalkitab

Order No: 121524710

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 12-13/10/2001
दिन _____: शुक्र-शनिवार
जन्म समय _____: 02:10:00 घंटे
इष्ट _____: 49:34:04 घटी
स्थान _____: Baghat
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

अक्षांश _____: 28:56:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 01:48:56 घंटे
वेलान्तर _____: 00:13:29 घंटे
साम्पातिक काल _____: 03:14:53 घंटे
सूर्योदय _____: 06:20:22 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:54:27 घंटे
दिनमान _____: 11:34:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 25:42:20 कन्या
लग्न के अंश _____: 00:09:33 सिंह

चैत्रादि संवत / शक _____: 2058 / 1923
मास _____: आश्विन
पक्ष _____: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि _____: 10
तिथि समाप्ति काल _____: 16:40:56
जन्म तिथि _____: 11
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: आश्लेषा
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 24:25:18 घंटे
जन्म नक्षत्र _____: मघा
सूर्योदय कालीन योग _____: साध्य
योग समाप्ति काल _____: 20:52:13 घंटे
जन्म योग _____: शुभ
सूर्योदय कालीन करण _____: विष्टि
करण समाप्ति काल _____: 16:40:56 घंटे
जन्म करण _____: बव
भयात _____: 04:21:44
भभोग _____: 54:27:32
भोग्य दशा काल _____: केतु 6 वर्ष 5 मा 9 दि

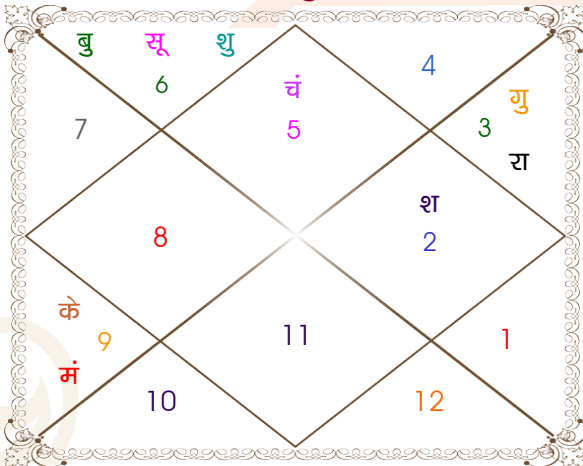
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	सिंह	00:09:33	---	--	--	--	नेक
सूर्य	कन्या	25:42:20	सम राशि	--	हाँ	--	नेक
चन्द्र	सिंह	01:03:37	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
मंगल	धनु	26:11:59	मित्र राशि	--	हाँ	--	मन्दा
बुध	व कन्या	28:21:55	स्वराशि	--	हाँ	--	नेक
गुरु	मिथुन	21:06:46	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
शुक्र	कन्या	02:52:10	नीच राशि	--	हाँ	--	नेक
शनि	व वृष	20:51:52	मित्र राशि	--	--	--	नेक
राहु	व मिथुन	06:08:45	उच्च राशि	--	--	--	मन्दा
केतु	व धनु	06:08:45	उच्च राशि	--	हाँ	--	मन्दा

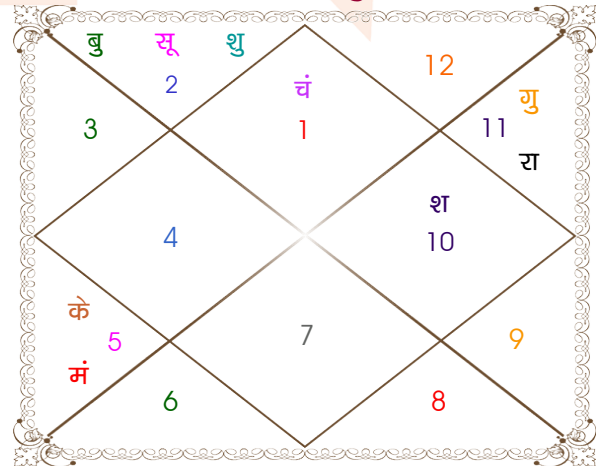
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	हाँ	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के दूसरे खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप दानी, भरोसे से काम करने वाले। आप अपने पराक्रम से प्रगति करेंगे। स्वयं उन्नति कर दूसरों के लिए उन्नतिकारक होंगे। स्वयं पराक्रम से धन कमाने वाले, हुनर की कमाई से बरकत पाने वाले। आपको उत्तम सवारी का सुख मिलेगा। आपको तीनों लोकों का सुख प्राप्त होगा। धार्मिक कार्यों में मुखिया बनेंगे। धर्म मंदिर-धर्मशाला का निर्माण करवाएंगे। ससुराल एवं पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। माता-पिता/सास-ससुर सगे संबंधियों के लिए अनुकूल तथा परिवार में स्त्रियों के लिए भारी होंगे। आपको सरकार से लाभ मिलेगा और सरकारी अधिकारियों से मान-सम्मान मिलेगा। आप बड़े कारोबार के मालिक भी बन सकते हैं। कर्ण की तरह दानवीर भी बनेंगे।

यदि आपने अपने रिश्तेदारों से जायदाद-धन आदि के लिये मुकद्दमें आदि किये, किसी दूसरे व्यक्ति का माल हड़प किया, सफेद वस्तुएं (चावल-चांदी दूध आदि) मुफ्त ली तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से आपकी पत्नी, प्रेमिका तथा धन पर बुरा असर पड़ेगा। माता या मौसी पर भी अशुभ प्रभाव होगा। परिवार में स्त्रियों की संख्या कम होगी। इस हालात में बहन, माता/सास, भाभी पर अशुभ असर पड़ सकता है। माता, बुआ या मौसी विधवा हो सकती है। धन, स्त्री, जमीन के लिये मुकद्दमें झगड़े अगर आप करेंगे तो आपका कुल तक नष्ट हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मुफ्त के माल पर नजर न रखें।
2. गिफ्ट या दान न लें।

उपाय :

1. नारियल या सरसों का तेल या बादाम धर्म स्थान में दें।
2. बुजुर्गा मकान में हैंड पंप लगावें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के पहले खाने में चंद्रमा है। इसकी वजह से आपका जन्म आपके माता-पिता की तपस्या के बाद हुआ होगा या भगवान की मिन्नतें-मन्नतें मांग कर या आपके जन्म से पहले कई बहनों का जन्म हुआ होगा। आप सबको वशीभूत कर लेते हैं। आप शांत स्वभाव के सुंदर और सफेद कपड़े पहनने के शौकीन हैं। आप विभिन्न भाषाओं के विद्वान होंगे। आपको पैतृक मकान का सुख मिलेगा। आपको जीवन भर संपत्ति की कमी महसूस नहीं होगी। 28 वर्ष की उम्र में विवाह हो तो जीवन भर सुख मिलेगा। पराई अमानत पास रह जायेगी जिससे अमीर हो जाएंगे। जब तक माता जीवित रहेंगी धन-दौलत का अभाव नहीं

रहेगा। लंबी उम्र के मालिक होंगे। राजदरबार में सम्मान मिलेगा। आपके जन्म के बाद पिता की माली-हालत अच्छी होगी। लम्बी आयु, कारोबार तथा धन लाभ के लिए शुभ होगा। बुढ़ापा उत्तम रहेगा। 24 या 27 साल की उम्र में अगर सफर करें तो सफर से वापस घर आकर मां का आशीर्वाद लेने से माता की आयु बढ़ेगी। 24 वर्ष आयु से पहले मकान न बनावें।

यदि आपने 24 वर्ष आयु से पहले मकान बनाया होगा, 28 वर्ष आयु में विवाह किया हो, आपने नौकरानी से झगड़ा या गाय को कष्ट दिया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से पानी में डूबने का भय, मानसिक रोग, पुत्र सुख का अभाव, अति चिन्ता रहना, शारीरिक कमजोरी, आंख की पुतली खराब होना, घर में बाग-बगीचा हो तो उजड़ा सा रहेगा, आपको दिल की बिमारियां हो सकती हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. माता या बूढ़ी स्त्री से झगड़ा न करें।

उपाय :

1. चांदी के गिलास में दूध-पानी आदि पियें।
2. बट के वृक्ष को कभी-कभी पानी डालें।